

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	ज्येष्ठ 18, गुरुवार, शके 1945-जून 08, 2023 Jyaistha 18, Thursday, Saka 1945- June 08, 2023	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, मई 17, 2023**

**संख्या प. 2(13)वन/2023 :-** चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 की धारा 29, उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचने की आशंका है।

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/असिस्टेंट फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11(1), 12, 13, 14, 17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 30 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर भूमि का इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं

राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,  
शिखर अग्रवाल,  
अति.मुख्य सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची

क्र.स.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	ग्राम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम	खसरा नं.	रकबा (है० में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	राजपुरा (एफसीए छतरीखेड़ा लोरदा)	आसीन्द	भीलवाड़ा	उत्तर-आराजी नं. 1186/874	राजपुरा	1185/874	6.86
				पूर्व-सीमा ग्राम रतनपुरा			
				पश्चिम-आराजी नं. 875			
				दक्षिण- वन भूमि आराजी नं. 1184/874			
					वनखण्ड का योग	किता-1	6.86

डी. पी. जागावत,  
उप वन संरक्षक,  
भीलवाड़ा।

वनखण्ड राजपुरा  
(एफ.सी.ए. छतरीखेडा लोरदा)  
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क.सं.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी नाम
1	Acacia Leucophloea	रोंझ
2	Acacia nilotica	देशी बबूल
3	Azadirachta indica	नीम
4	Dalbergia sissoo, Roxb	शीशम
5	Zizyphus nummularia	झड बेरी

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
आसीद (मु. बदनोर)

डी.पी. जागावत,  
उप वन संरक्षक,  
भीलवाडा।

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रकाशन हेतु  
मुख्य वन संरक्षक द्वारा भेजी जाने वाली अतिरिक्त सूचना  
वनखण्ड- राजपुरा  
(एफ.सी.ए. छतरीखेडा लोरदा)

1	वनखण्ड में वनस्पति का घनत्व क्या है।	0.2 से 0.3
2	क्या प्रस्तावित वनखण्ड में सिचाई स्वास्थ्य यांत्रिक अथवा विद्युत से संबंधित कोई योजना प्रस्तावित है।	नहीं
3	क्या प्रस्तावित ब्लॉक में आबादि स्थित है।	नहीं
4	प्रस्तावित वनखण्ड में कोई खनन प्रस्ताव अथवा भविष्य में कोई महत्वपूर्ण खनिज प्राप्त होने की सम्भावना है।	नहीं
5	प्रस्तावित वनखण्ड में कोई जनहित परियोजना विचाराधीन है या नहीं।	नहीं

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
आसीद (मु. बदनोर)

डी.पी. जागावत,  
उप वन संरक्षक,  
भीलवाडा।

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण पत्र  
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)

वनखण्ड - राजपुरा (एफ.सी.ए. छतरीखेड़ा लोरदा)

रैंज - असीन्द

वन मंडल - भीलवाडा

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण बंजर। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 7 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में बिलानाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है/कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिये जिला कलेक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है, तथा प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में कमशः 1996-97 प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष 1996 से 97 में कराये गये हैं। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.2 से 0.3 है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों रोझ, झड़ बेरी, बबूल का लगभग प्रतिशत 30 कमशः है, तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र लैंड बैंक हेतु आरक्षित बंजर एवं वनभूमि है, तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथाविधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी

आसीद (मु. बदनोर)

डी.पी. जागावत,

उप वन संरक्षक,

भीलवाडा।